

निफ्ट के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति मुर्मू

18 परिसरों के छात्र होंगे शामिल

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज नई दिल्ली में राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) के संयुक्त दीक्षांत समारोह-2026 को संबोधित करेंगी।

देशभर में स्थित निफ्ट के 18 परिसरों के स्नातक विद्यार्थी इस समारोह में अपनी डिग्री प्राप्त करेंगे। समारोह में केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह, वस्त्र मंत्रालय की सचिव नीलम शमी राव सहित निफ्ट के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य, वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक, शोधार्थी और विद्यार्थी मौजूद रहेंगे। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया जाएगा। सर्वाधिक संचयी ग्रेड अंक औसत हासिल करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक दिए जाने की जानकारी है।

वस्त्र मंत्रालय के अधीन निफ्ट की स्थापना 1986 में हुई थी। निफ्ट अधिनियम, 2006 के तहत इसे वैधानिक संस्थान का दर्जा मिला। संस्थान फैशन शिक्षा के साथ पारंपरिक कला एवं शिल्प, डिजाइन नवाचार, तकनीक, रचनात्मक



सोच और उद्योग से जुड़ाव पर काम करता है। राष्ट्रपति का दीक्षांत समारोह में संबोधन विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण अवसर होगा। मुर्मू इससे पहले भी विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों के दीक्षांत समारोहों में विद्यार्थियों को शिक्षा, नवाचार, शोध और समाज के प्रति जिम्मेदारी को प्राथमिकता देने का संदेश देती रही हैं।

सोनम वांगचुक बोले- CJP पार्टी बनाए तो दूंगा साथ, संस्थापकों में राजनीतिक महत्वाकांक्षा

नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने एक पॉडकास्ट में 'CJP' से जुड़े लोगों की राजनीतिक भूमिका को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यदि CJP के संस्थापक राजनीतिक दल बनाते हैं तो वह उनका समर्थन करेंगे। वांगचुक के मुताबिक, संगठन से जुड़े लोगों में राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं मौजूद हैं। वांगचुक ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए कहा कि इन गतिविधियों को देखकर उन्हें लगा कि संगठन के लोगों की रुचि राजनीति में भी है। उन्होंने यह भी कहा कि CJP के संस्थापक कोई संत नहीं हैं और उन्हें भी राजनीति में आने तथा राजनीतिक विकल्प बनाने का अधिकार है।

उनके बयान ने सामाजिक आंदोलनों और सक्रिय राजनीति के बीच संबंध को लेकर बहस छेड़ दी है। आमतौर पर सामाजिक आंदोलनों से जुड़े समूह खुद को राजनीतिक दलों से अलग रखते हैं, लेकिन जब आंदोलन व्यापक जनसमर्थन हासिल करते हैं तो उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर चर्चा शुरू हो जाती है। वांगचुक का कहना है कि यदि CJP के लोग राजनीतिक दल बनाकर चुनावी मैदान में उतरते हैं तो वह उनके साथ खड़े होंगे। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट किया कि उनका समर्थन किसी संगठन की मौजूदा गतिविधियों से अधिक उसके संभावित राजनीतिक फैसले पर निर्भर करेगा।

जंतर-मंतर के प्रदर्शनों के संदर्भ में आया यह बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि दिल्ली के राजनीतिक मंच पर नए राजनीतिक विकल्पों की संभावनाएं हमेशा चर्चा में रहती हैं। अब सवाल यह है कि क्या सामाजिक आंदोलन से जुड़े चेहरे वास्तव में राजनीतिक दल बनाने की दिशा में



बढ़ेंगे, या यह सिर्फ राजनीतिक असंतोष को लेकर हुई चर्चा तक सीमित रहेगा? आने वाले समय में तस्वीर साफ हो सकती है।

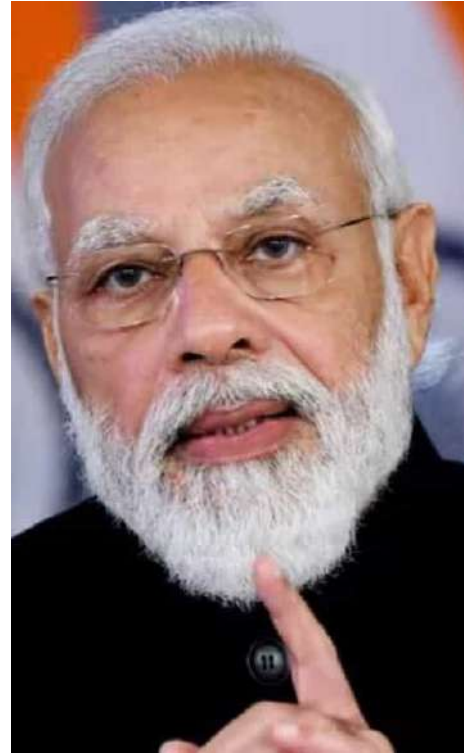
बिश्केक में मोदी का प्रवासी भारतीयों से संवाद, दुनिया तक पहुंचा भारत का संदेश

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 'फ्रेंड्स ऑफ इंडिया' के साथ संवाद किया। भारतीय समुदाय के लोगों ने प्रधानमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। मोदी ने इस दौरान भारत और विदेशों में बसे भारतीयों के बीच मजबूत होते रिश्तों को रेखांकित किया।

बिश्केक। किर्गिस्तान पहुंचने के साथ ही प्रधानमंत्री की यात्रा को लेकर भारतीय समुदाय में खास उत्साह नजर आया। बड़ी संख्या में लोग भारत के तिरंगे और प्रधानमंत्री के स्वागत संदेशों के साथ मौजूद रहे। मोदी ने भी भारतीय समुदाय से मुलाकात को भारत की वैश्विक पहचान और सांस्कृतिक संबंधों का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। प्रधानमंत्री की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब भारत मध्य एशिया के देशों के साथ अपने राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को लगातार मजबूत करने की कोशिश कर रहा है।

बिश्केक में होने वाला शंघाई सहयोग

संगठन का शिखर सम्मेलन भी भारत के लिए अहम मंच है। सम्मेलन में आतंकवाद, क्षेत्रीय सुरक्षा, आर्थिक सहयोग, संपर्क और व्यापार जैसे मुद्दे प्रमुख रहेंगे। भारत लंबे समय से आतंकवाद के खिलाफ कड़ा और स्पष्ट रुख अपनाता रहा है।



ऐसे में बहुपक्षीय मंच पर भारत की प्राथमिकताओं पर दुनिया की नजर रहेगी। मोदी की 'फ्रेंड्स ऑफ इंडिया' से मुलाकात केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं मानी जा रही।

विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदाय के साथ सीधे संवाद के जरिए भारत अपनी कूटनीतिक और सांस्कृतिक पहुंच को भी मजबूत कर रहा है। अब नजर इस बात पर रहेगी कि शिखर सम्मेलन में भारत अपने रणनीतिक हितों और क्षेत्रीय चुनौतियों को किस मजबूती से सामने रखता है।

Bright Future LEARNING ACADEMY

An Initiative by **RANJEET TIMES GROUP**

ADMISSIONS OPEN
2026-27
KG-1 to Class 10

हर बच्चे का उज्ज्वल भविष्य हमारी प्राथमिकता

प्रवेश हेतु संपर्क करें **9827068888**

BRIGHT FUTURE LEARNING ACADEMY
An Initiative by **RANJEET TIMES GROUP**

आधुनिक शिक्षा | अनुभवी शिक्षक | सुरक्षित परिसर | सर्वांगीण विकास

स्मैक के साथ स्मैक तस्कर गिरफ्तार

10.60 लाख की स्मैक व बोलेरो गाड़ी जब्त, एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज

हेमंत भार्गव

शिवपुरी। कोतवाली पुलिस ने नशे के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 18 ग्राम से अधिक स्मैक के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक बोलेरो गाड़ी भी जब्त की गई है। बरामद स्मैक और वाहन की कुल कीमत लगभग 10.60 लाख रुपये आंकी गई है। कोतवाली थाना प्रभारी रोहित दुबे ने बताया कि 29 अगस्त को सूचना मिली थी कि ग्रीन व्यू होटल के पास कच्चे रास्ते पर बोलेरो वाहन (MP33 C 9169) में एक संदिग्ध युवक स्मैक बेचने की फिराक में खड़ा है। पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर दबिश देकर वाहन की घेराबंदी की और आरोपी को पकड़ लिया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम महेश गुर्जर (25), पुत्र जगदीश



गुर्जर, निवासी ग्राम छिरारी (करैरा) बताया। तलाशी लेने पर आरोपी की जींस की जेब से पारदर्शी पन्नी में रखी 18.08 ग्राम स्मैक बरामद हुई, जिसकी बाजार कीमत करीब 3.60 लाख रुपये है। पुलिस ने स्मैक व बोलेरो जब्त कर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत अपराध क्रमांक 670/26 दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से स्मैक की खरीद-फरोख्त और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में पूछताछ कर रही है।

सर्वजातीय समाज मैदान में नारी के सम्मान में सर्वजातीय समाज के लोगों ने आज थाने में जाकर किया धरना प्रदर्शन

महेंद्र मिश्रा

आज नगर में पिछोर, दिनारा, करैरा और आसपास के गांव से आए सर्वजातीय समाज के लोगों ने इकट्ठे होकर थाने पर जाकर धरना प्रदर्शन किया ! कुछ दिनों पहले आजाद लोधी द्वारा महिलाओं और जाटव समाज के बारे में बहुत ही अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया था।

करैरा।

सर्वजातीय समाज के लोगों ने थाने में जाकर आजाद लोधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी लेकिन एफआईआर दर्ज करने के बाद भी पुलिस प्रशासन द्वारा न तो उसको गिरफ्तार किया गया और ना ही उस पर कोई कार्रवाई की गई इसी को लेकर आज सर्वजातीय समाज के लोगों ने थाने पर जाकर धरना प्रदर्शन किया और आजाद लोधी को शीघ्र से शीघ्र गिरफ्तार करने उस पर कार्रवाई करने की मांग की पुलिस प्रशासन द्वारा आजाद लोधी को 5 दिन के अंदर अंदर गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया गया।

तीन विधानसभा क्षेत्रों में गूंजा स्वागत का उल्लास, मंत्री बघेल का जगह-जगह आत्मीय अभिनंदन

भितरवार-करैरा सीमा से पोहरी के नौथनी तक दिखा कार्यकर्ताओं का उत्साह, मैराथन को दिखाई हरी झंडी; शोकाकुल परिवारों के बीच पहुंचकर बांटी संवेदना

हेमंत भार्गव

शिवपुरी/करैरा। मध्यप्रदेश राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम के अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त केशव सिंह बघेल के शुक्रवार को हुए दौरे ने भितरवार, करैरा और पोहरी विधानसभा क्षेत्रों में उत्साह का माहौल पैदा कर दिया। भितरवार-करैरा की सीमा से लेकर पोहरी के ग्राम नौथनी तक जगह-जगह कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने फूल-मालाओं, ढोल-नगाड़ों, साफा, शॉल एवं श्रीफल से मंत्री का आत्मीय अभिनंदन किया। मंत्री बघेल के साथ अखिल भारतीय पाल महासभा के युवा जिला अध्यक्ष एडवोकेट महेंद्र सिंह बघेल भी मौजूद रहे। दौरे की शुरुआत भितरवार-करैरा सीमा स्थित ग्राम बनियानी से हुई, जहां एडवोकेट महेंद्र सिंह बघेल ने मंत्री की अगुवानी करते हुए उन्हें करैरा विधानसभा क्षेत्र में प्रवेश कराया।

करैरा क्षेत्र में कदम-कदम पर हुआ स्वागत

करैरा विधानसभा क्षेत्र में मंत्री बघेल के पहुंचते ही स्वागत का सिलसिला शुरू हो गया। ग्राम हतैड़ा में बलराम बाथम, पुल्हा स्थित फौजी ढाबे पर दलवीर बघेल, पुल्हा तिराहा पर छोटू बघेल एवं पुष्पेंद्र रावत तथा नैनागिर में जनपद सदस्य गजराज सिंह बघेल, सरपंच रामदास बघेल सहित कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। नैनागिर में अरविंद वंशकार के पिता के निधन की सूचना पर मंत्री बघेल उनके निवास पहुंचे और शोकाकुल परिवार से मिलकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इसके बाद करही में मंडल अध्यक्ष रामेश्वर रावत, बनगवां-हाजीनगर तिराहे पर सरपंच नरेंद्र सिंह गुर्जर (दुमदुमा) ने महाराजा मिहिर भोज की तस्वीर भेंट कर साफा बांधते हुए उनका अभिनंदन किया। खैराघाट



में सौरभ परिहार, करैरा पुलिस सहायता केंद्र पर विकास पाल एवं युवा टीम तथा करैरा में साहब सिंह बघेल के निवास पर भी मंत्री का आत्मीय स्वागत हुआ। सिरसौद चौराहा घसराही स्थित मन्नत होटल पर प्रखर बघेल, सिरसौद में सरपंच भान सिंह बघेल एवं पूर्व सरपंच रामहेत बघेल तथा सलैया हाईवे पर विधायक प्रतिनिधि नाथूराम बघेल एवं अर्जुन बघेल ने ढोल-नगाड़ों के साथ स्वागत किया।

जहां खुशी मिली, वहीं दुख की घड़ी में भी पहुंचे- मंत्री बघेल के दौरे में केवल स्वागत और अभिनंदन ही नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं की भी झलक देखने को मिली। राजगढ़ में सरपंच विजय सिंह बघेल की पुत्रवधू के निधन पर उन्होंने शोक संवेदना व्यक्त की। जयरावन में रामअवतार बघेल की दादी के निधन पर भी मंत्री शोकाकुल परिवार के बीच पहुंचे और दुख की घड़ी में परिजनों को ढांडस बंधाया। इसके बाद पारागढ़ में सरपंच दीवान सिंह बघेल तथा आमोल पठा में सरपंच भरत परिहार सहित कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। जयरावन में संवेदना व्यक्त करने के बाद रानू जाटव ने मंत्री का अभिनंदन किया। नौथनी में खेल भावना का उत्सव, मैराथन को दिखाई हरी झंडी दौरे का प्रमुख आकर्षण पोहरी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नौथनी में आयोजित मैराथन दौड़ प्रतियोगिता रही। यहां मंडल संचालक रामलाल बघेल,

आयोजन अध्यक्ष दशरथ बघेल, सलाहकार अध्यक्ष नवाब सिंह बघेल, सदस्य अंगद सिंह बघेल, डॉ. सूरज सिंह बघेल सहित आयोजन समिति ने मंत्री का बड़ी माला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत लोकमाता देवी अहिल्याबाई की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद मंत्री बघेल ने मैराथन दौड़ को हरी झंडी दिखाकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर मंत्री बघेल ने प्रतिभागियों एवं ग्रामीणों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक स्वास्थ्य के साथ उनके मानसिक विकास और आत्मविश्वास को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने युवाओं से खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

नरवर-मगरौनी में भी दिखा आत्मीयता का रंग- नौथनी के कार्यक्रम के उपरांत मंत्री बघेल नरवर पहुंचे। यहां लोहड़ी माता मंदिर चुंगी नाका पर मंडल अध्यक्ष एवं सरपंच नारायण सिंह बघेल तथा बस स्टैंड पर जिला पंचायत सदस्य लखन कुशवाह सहित कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। मगरौनी में सुनील बघेल एवं मंडल अध्यक्ष इमरतलाल कुशवाह से मंत्री ने आत्मीय मुलाकात की। दौरे के अंतिम चरण में ग्राम देवरी खुर्द में रामजीलाल बघेल के निधन पर उनके परिजनों से मुलाकात कर मंत्री ने शोक संवेदना व्यक्त की। शाम करीब 7 बजे मंत्री केशव सिंह बघेल भितरवार होते हुए अपने गृह नगर डबरा के लिए रवाना हुए। पूरे दौरे में स्वागत, सम्मान, खेल भावना और मानवीय संवेदनाओं का ऐसा संगम दिखाई दिया, जिसने कार्यकर्ताओं के उत्साह के साथ सामाजिक आत्मीयता की तस्वीर भी प्रस्तुत की।

नगपुरा के कांदा टोला में सुबह गिरा मकान, छह बकरियों की मौत

मलबे में दबे पति-पत्नी और बच्चा, ग्रामीणों की मदद से तीनों को सुरक्षित निकाला

साहिल खान

बुढ़ार। जनपद पंचायत बुढ़ार के ग्राम पंचायत नगपुरा के कांदा टोला में सोमवार सुबह करीब पांच बजे एक मकान अचानक गिर गया। हादसे के समय दादू लाल पिता रमहल्ली बैगा का परिवार घर में सो रहा था। मकान गिरने से घर में बंधी छह बकरियां मलबे में दब गईं, जिनकी मौत हो गई। वहीं दूसरे कमरे में सो रहे दादू लाल, उनकी पत्नी



और एक बच्चा भी मलबे में दब गए। मकान गिरने की आवाज और घटना की जानकारी मिलते ही पड़ोसी मौके पर पहुंचे और आसपास के लोगों को

बुलाया। ग्रामीणों ने तत्काल परिवार को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। इसी दौरान ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव को भी फोन कर घटना

की जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही सरपंच-सचिव मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों के साथ मिलकर मलबा हटाने का काम शुरू कराया गया।

काफी प्रयास के बाद मलबे में दबे दादू लाल, उनकी पत्नी और बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हादसे में चोट आने के कारण तीनों को तत्काल अस्पताल भेजा गया, जहां उनका उपचार कराया जा रहा है। घटना के बाद कुछ देर तक गांव में अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। बताया गया कि मकान गिरने से परिवार को काफी नुकसान हुआ है। घर में बंधी छह

बकरियों की मौत हो जाने से परिवार को आर्थिक क्षति भी हुई है। घटना की जानकारी के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित सहायता दिलाए जाने की मांग की है।

ग्रामीणों की तत्परता और पंचायत के सरपंच

सचिव के समय पर मौके पर पहुंचने से मलबे में दबे परिवार के तीन सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सका। हालांकि मकान गिरने से परिवार के सामने रहने की समस्या भी खड़ी हो गई है। अब पीड़ित परिवार को प्रशासन से मदद मिलने की उम्मीद है।

हाँ, मैं एक पत्रकार हूँ... मेरा अधिकार है सवाल पूछना

सवाल करना अपराध नहीं, लोकतंत्र की पहचान है

हाँ, मैं एक पत्रकार हूँ।

आदित्य शर्मा

सह. संपादक राजत टाइम्स

मेरे हाथ में कलम है, मेरे सामने समाज है और मेरे सामने सबसे बड़ी जिम्मेदारी है सच को सामने लाना।

मैं सवाल पूछता हूँ, क्योंकि सवाल करना मेरा अधिकार है। मैं जवाब मांगता हूँ, क्योंकि जनता को जवाब मिलना उसका अधिकार है।

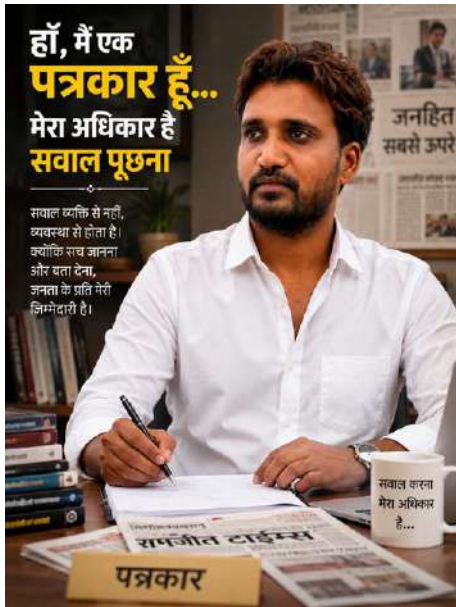
मैं मुद्दे उठाता हूँ, क्योंकि जिन लोगों की आवाज व्यवस्था के गलियारों तक नहीं पहुँच पाती, उनकी आवाज बनना पत्रकारिता का धर्म है। पत्रकारिता केवल खबर लिखने का नाम नहीं है। पत्रकारिता का अर्थ है-सच की तलाश करना, तथ्यों को सामने रखना, व्यवस्था से जवाब मांगना और जनता के हित से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाना। इसलिए जब कोई पत्रकार किसी अधिकारी से सवाल करता है, किसी जनप्रतिनिधि से सवाल करता है, किसी सरकारी विभाग से जानकारी मांगता है या किसी व्यवस्था में हुई गड़बड़ी पर सवाल उठाता है, तो इसे व्यक्तिगत विरोध के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

सवाल व्यक्ति से नहीं, व्यवस्था से होता है।

पत्रकार सवाल क्यों पूछता है?

क्योंकि आम आदमी हर जगह जाकर सवाल नहीं पूछ सकता। एक गरीब व्यक्ति सरकारी कार्यालय के चक्कर लगाते-लगाते थक सकता है। एक आम नागरिक अपनी शिकायत लेकर कई बार अधिकारियों के सामने जा सकता है। किसी व्यक्ति की फाइल महीनों तक किसी कार्यालय में पड़ी रह सकती है। किसी सड़क, नाली, भवन, योजना या सरकारी काम में लापरवाही दिखाई दे सकती है। लेकिन जब पत्रकार उस विषय पर सवाल उठाता है, तो वही मुद्दा सार्वजनिक चर्चा का विषय बन जाता है। यही पत्रकारिता की ताकत है।

पत्रकार जनता और व्यवस्था के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है।



सवाल से डर क्यों? कई बार जैसे ही कोई पत्रकार किसी विषय पर सवाल पूछता है, जवाब देने के बजाय पत्रकार की नीयत पर सवाल खड़े किए जाते हैं-

“आपको इससे क्या मतलब?”

“आप बार-बार सवाल क्यों पूछ रहे हैं?”

“आपको किसने शिकायत की?”

“आप खबर क्यों बना रहे हैं?”

लेकिन सवाल यह होना चाहिए कि जिस विषय पर सवाल पूछा जा रहा है, उसका वास्तविक तथ्य क्या है? यदि सब कुछ नियमों के अनुसार हुआ है तो जवाब दिया जाना चाहिए। यदि कार्य पारदर्शी है तो दस्तावेज सामने रखे जाने चाहिए। यदि शिकायत गलत है तो तथ्य के साथ उसका खंडन किया जाना चाहिए। पत्रकार से नाराज होने के बजाय सवाल का जवाब देना ही लोकतांत्रिक व्यवस्था की खूबसूरती है।

पत्रकार किसी का दुश्मन नहीं होता पत्रकार किसी अधिकारी का दुश्मन नहीं, किसी जनप्रतिनिधि का दुश्मन नहीं, किसी विभाग का

दुश्मन नहीं। उसका उद्देश्य है- सार्वजनिक हित से जुड़े विषयों को सामने लाना।

कलम की ताकत जिम्मेदारी के साथ आती है-कलम की ताकत के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी है। सवाल तथ्यों पर आधारित होना चाहिए। एक जिम्मेदार पत्रकार कभी अफवाह को खबर नहीं बनाता, बिना तथ्य के किसी को दोषी नहीं ठहराता और व्यक्तिगत पसंद-नापसंद को खबर से अलग रखता है। उसकी असली पहचान उसकी निर्भीकता के साथ-साथ उसकी निष्पक्षता और विश्वसनीयता से होती है। जनता के पैसे का हिसाब पूछना जरूरी है- सरकार और प्रशासन जनता के लिए काम करते हैं। विकास कार्यों में इस्तेमाल होने वाला पैसा जनता के करों से आता है। इसलिए सवाल पूछा जा सकता है

सड़क किस एजेंसी ने बनाई?

गुणवत्ता कैसी है?

भुगतान किस आधार पर हुआ?

भवन की अनुमति क्या है?

नक्शा स्वीकृत है या नहीं?

नोटिस पर कार्रवाई क्या हुई?

ये सवाल किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं, व्यवस्था की पारदर्शिता के लिए होते हैं।

अधिकारी से सवाल करना अपमान नहीं-पत्रकार जब सवाल पूछता है तो उद्देश्य अपमान करना नहीं होता। अधिकारी जनता के लिए काम करता है और पत्रकार जनता से जुड़े सवाल लेकर उसके सामने जाता है। पद बढ़ा हो सकता है, लेकिन जनहित से बढ़ा कोई पद नहीं।

सवाल पूछने वाला पत्रकार दबाव में क्यों आए?-पत्रकारिता में राजनीतिक, प्रशासनिक, आर्थिक दबाव हमेशा रहा है। लेकिन यदि पत्रकार हर दबाव के सामने झुक जाए तो जनता की आवाज कौन उठाएगा? पत्रकार का काम सत्ता के सामने झुकना नहीं, बल्कि जनता के सामने जवाबदेह रहना है।

सवाल बंद होंगे तो जवाबदेही भी बंद

होगी-जिस दिन समाज में सवाल पूछने की आदत खत्म हो जाएगी, उस दिन जवाबदेही भी कमजोर पड़ जाएगी। सवाल ही व्यवस्था को जगाते हैं, अधिकारियों को जवाब देने के लिए मजबूर करते हैं और लोकतंत्र को जीवंत रखते हैं।

मैं सवाल पूछता रहूँगा

हाँ, मैं एक पत्रकार हूँ। मैं सवाल पूछूँगा।

जहां जनता की समस्या होगी, वहां सवाल पूछूँगा।

जहां व्यवस्था में कमी दिखेगी, वहां सवाल पूछूँगा।

जहां जवाब जरूरी होगा, वहां जवाब मांगूँगा।

लेकिन साथ ही यह भी सुनिश्चित करूँगा कि मेरे सवाल तथ्य पर आधारित हों, मेरी खबर निष्पक्ष हो और मेरी कलम किसी व्यक्तिगत स्वार्थ से प्रभावित न हो। मैं किसी अधिकारी से व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं रखता। मेरा सवाल केवल उस व्यवस्था से है, जो जनता के प्रति जवाबदेह है।

अगर काम सही है तो जवाब दीजिए।

अगर आरोप गलत हैं तो तथ्य सामने रखिए।

अगर शिकायत निराधार है तो उसका खंडन कीजिए।

लेकिन सवाल पूछने वाले पत्रकार को चुप कराने की कोशिश मत कीजिए।

» सवाल पूछना मेरा अधिकार है।

» सवाल का जवाब देना व्यवस्था की जिम्मेदारी है।

» और सच को जनता तक पहुंचाना मेरी पत्रकारिता की जिम्मेदारी है।

मैं पत्रकार हूँ...

मेरी कलम बिकेगी नहीं,

मेरी आवाज दबेगी नहीं,

और जनहित के सवाल रुकेंगे नहीं।

जब तक सवाल जिंदा हैं, तब तक लोकतंत्र जिंदा है। और जब तक लोकतंत्र जिंदा है, पत्रकार की कलम चलती रहेगी।

एक पत्रकार की कलम से

श्री आनंद धाम में गुंजेगा ‘हरे कृष्ण’ का महाघोष, अलौकिक झांकियों के साथ मनेगा कन्हैया का जन्मोत्सव

दीपक वाडेकर

इन्दौर: आस्था और आध्यात्म के प्रमुख केंद्र श्री आनंद धाम (ब्रह्मांड खेड़ी, इंदौर-उज्जैन रोड) पर इस वर्ष श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बेहद अलौकिक और ऐतिहासिक स्वरूप में मनाया जाएगा। 4 सितंबर 2026 (शुक्रवार) को आयोजित होने वाले इस महामहोत्सव को लेकर शहर के श्रद्धालुओं में अभूतपूर्व उत्साह देखा जा रहा है। मीडिया प्रभारी सिद्धार्थ बर्वे एवं अंकुश झवर ने जानकारी दी कि संध्या 7:00 बजे से आरंभ होने वाले इस भव्य अनुष्ठान में परम पूज्य गुरुदेव श्री विवेक जी महाराज का दिव्य एवं ओजस्वी सानिध्य प्राप्त होगा। गुरुदेव के सानिध्य में होने वाले धार्मिक प्रकल्पों से न केवल आनंद धाम का कण-कण पावन होगा, बल्कि उपस्थित हर भक्त

का मानस आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठेगा।

पूज्य गुरुदेव श्री विवेक जी महाराज: जिनकी वाणी में बरसती है भक्ति की रसधार प्रेममूर्ति श्री विवेक जी महाराज केवल एक संत नहीं, बल्कि इंदौर अंचल के उन प्रखर आध्यात्मिक दीपकों में से हैं, जिनकी वाणी से समाज में संस्कारों और सकारात्मकता का सृजन हो रहा है। आपका सानिध्य मिलना अपने आप में परम सौभाग्य का विषय माना जाता है। आपकी सहजता,



करुणा और सरलता से परिपूर्ण शैली भक्तों के अंतःकरण को सीधे प्रभु चरणों से जोड़ देती है। गुरुदेव के मार्गदर्शन में श्री आनंद धाम आज केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि मानवता, सेवा और सनातन संस्कृति के उत्थान का जीवंत केंद्र बन चुका है, जहाँ हर आने वाले को मानसिक शांति और आंतरिक आनंद की अनुभूति होती है।

श्री आनंद धाम: अध्यात्म, शांति और सेवा का त्रिवेणी संगम- इंदौर-उज्जैन रोड स्थित

ब्रह्मांड खेड़ी की शांत और प्राकृतिक गोद में बसा श्री आनंद धाम महानगर की व्यस्तता से दूर एक ऐसा पावन आशियाना है, जहाँ पहुँचते ही अलौकिक शांति का अनुभव होता है। यहाँ की भव्य संरचना, दिव्य वातावरण और निरंतर चलने वाले आध्यात्मिक एवं सामाजिक प्रकल्प इसे शहर का सर्वोत्कृष्ट केंद्र बनाते हैं। प्रकृति के सान्निध्य में स्थित यह धाम साधना और समर्पण का अनूठा संगम है, जहाँ हर पर्व उत्सव से ऊपर उठकर आत्मिक मिलन का माध्यम बनता है।

जन्मोत्सव के मुख्य आकर्षण:- दिव्य गुरु वंदना व शृंगार दर्शन: संध्या 7:00 बजे गुरुदेव श्री विवेक जी महाराज के कर-कमलों द्वारा बाँके बिहारी जी के चरणों में पुष्प अर्चन और अलौकिक शृंगार के दर्शन।

सहजयोग में प्राण प्रतिष्ठा का अर्थ है हमारे भीतर की यात्रा



प्राण प्रतिष्ठा का सामान्य अर्थ किसी मूर्ति या मंदिर में दिव्य शक्ति का आह्वान माना जाता है, लेकिन सहजयोग में इसका अर्थ इससे कहीं अधिक गहरा है। यहाँ प्राण प्रतिष्ठा का मतलब है, हमारे भीतर स्थित दिव्य चेतना का जागरण। सहजयोग के अनुसार प्रत्येक मनुष्य के भीतर कुण्डलिनी शक्ति सुप्त अवस्था में विद्यमान रहती है। जब यह शक्ति जागृत होकर सहस्रार तक पहुँचती है, तब व्यक्ति आत्मसाक्षात्कार का अनुभव करता है। यही वास्तविक प्राण प्रतिष्ठा है बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक स्थापना। सहजयोग हमें सिखाता है कि मनुष्य का शरीर स्वयं एक मंदिर है। जब हमारे भीतर शांति, संतुलन, करुणा और प्रेम जागृत होते हैं, तब जीवन सच

में प्रकाशित होने लगता है। केवल बाहरी पूजा या कर्मकांड पर्याप्त नहीं, भीतर की चेतना का जागना भी आवश्यक है।

ध्यान और आत्मचिंतन के माध्यम से व्यक्ति धीरे-धीरे तनाव, भय और नकारात्मकता से मुक्त होने लगता है। उसके भीतर मौन और आनंद का अनुभव जन्म लेता है। यही भीतर की यात्रा मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप के करीब ले जाती है। इस प्रकार सहजयोग में प्राण प्रतिष्ठा का अर्थ है अपने भीतर परम चेतना को अनुभव करना और जीवन को आध्यात्मिक जागरूकता से भर देना। सहजयोग में प्राण प्रतिष्ठा किसी बाहरी कर्मकांड का अंत नहीं, बल्कि भीतर की यात्रा की शुरुआत है।

कर्म को साधना बनाता है निष्काम भाव : सहज योग

मानव जीवन कर्मप्रधान है। कर्म के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं, लेकिन कर्म की वास्तविक सार्थकता इस बात में है कि उसे किस भाव से किया जा रहा है। जब कर्म के साथ 'मैंने किया' का भाव जुड़ जाता है, तो सहज रूप से किया गया कार्य भी अहंकार का कारण बन सकता है। इसके विपरीत जब कर्म निःस्वार्थ भाव और ईश्वर के प्रति समर्पण के साथ किया जाता है, तो वही कर्म सच्ची साधना का रूप ले लेता है। सहज योग की संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी ने आत्म-साक्षात्कार और ध्यान के माध्यम से मनुष्य को अपने भीतर की दिव्य शक्ति को पहचानने का मार्ग बताया। सहज योग में साधक को यह अनुभव करने की प्रेरणा दी जाती है कि जीवन में किए जाने वाले शुभ कर्मों के पीछे ईश्वर की शक्ति कार्य करती है और मनुष्य उस शक्ति का केवल माध्यम है। सामान्य जीवन में अपने अच्छे कार्यों पर गर्व करना स्वाभाविक है, लेकिन जब गर्व 'मैंने यह किया', 'मेरे कारण यह संभव हुआ' जैसी भावना में बदल जाता है, तब कर्ता भाव उत्पन्न होता है। यही कर्ता भाव आध्यात्मिक उन्नति में बाधा बन सकता है। सहज योग साधना व्यक्ति को इस 'मैं' के भाव से ऊपर उठकर अपने कर्मों को परमात्मा को समर्पित करने की प्रेरणा देती है।

सहज योग ध्यान में इड़ा, पिंगला और सुषुम्ना नाड़ियों का विशेष महत्व बताया गया है। इड़ा और पिंगला के संतुलन से साधक के भीतर संतुलन और जागरूकता विकसित होती है तथा वह सुषुम्ना मार्ग के माध्यम से आध्यात्मिक उत्थान की दिशा में आगे



बढ़ता है। ध्यान के नियमित अभ्यास से व्यक्ति अपने विचारों और भावनाओं को अधिक सजगता से देखता है तथा आंतरिक शांति का अनुभव करता है। सेवा भी साधना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। सेवा करते समय यदि प्रशंसा, सम्मान या व्यक्तिगत श्रेय की अपेक्षा न हो, तो सेवा वास्तव में निष्काम कर्म बन जाती है। * 'कर्ता और करविता ईश्वर है, मैं केवल उसका माध्यम हूँ' * यह भाव मनुष्य को अहंकार से दूर कर भीतर से अधिक शांत और संतुष्ट बनाने में सहायक हो सकता है। आज के तनावपूर्ण और प्रतिस्पर्धात्मक जीवन

में सहज योग ध्यान व्यक्ति को अपने भीतर लौटने, आत्म-साक्षात्कार की दिशा में बढ़ने और जीवन में संतुलन स्थापित करने का अवसर प्रदान करता है। आइए, सहज योग से जुड़ें, ध्यान की सरल तकनीक सीखें और अपने कर्मों को निःस्वार्थ भाव से ईश्वर को समर्पित करने का प्रयास करें। सहज योग ध्यान केंद्र सभी नए साधकों का स्वागत करता है। सहज योग के बारे में अधिक जानकारी के लिए टोल-फ्री नंबर 1800 270 0800 अथवा www.sahajayoga.org.in पर संपर्क करें। सहज योग पूर्णतया निःशुल्क है।

वैश्विक बंधुत्व का आधार है रक्षाबंधन का पर्व

येन बद्धो बलि राजा... रक्षा सूत्र का यह श्लोक सनातन संस्कृति का आधार है जिसे उच्चारित कर रक्षा सूत्र को कलाई पर बांधा जाता है। वास्तव में सूत्र का बंधन एक रक्षा संकल्प और दायित्व का स्मरण कराना है। यह मात्र भाई बहन का नहीं वरन् समस्त मानव जाति के परस्पर पवित्र संबंधों का संकल्प पर्व है। इस रिश्ते की सीमाएं क्या हैं, यह त्योंहार हमारे आध्यात्मिक जीवन में क्या मायने रखता है!

इसे जानने के लिए आपको "सहजयोग" से जुड़ना होगा। राखी के रेशम की डोरी का महत्व हमें तभी समझ में आयेगा जब हम पूरी तरह से उसके



तत्व को जान लें। प. पू. श्री माताजी निर्मलादेवी द्वारा संचालित सहजयोग ध्यान पद्धति पूर्ण मानवजाति के लिए एक अद्वितीय देन है। सहजयोग ध्यान पद्धति से आत्मसाक्षात्कार पाने के बाद हमारे सूक्ष्म शरीर में बसे सातों चक्रों को निरंजित करते हुए, "कुण्डलिनी शक्ति" (जो हमारी रीढ़ की हड्डी के नीचे त्रिकोणाकार अस्थि में साढ़े तीन कुंडलों में विराजमान है) ब्रह्मरंध्र को छेद कर ब्रह्मांड में

फैली हुई परमेश्वर शक्ति से एकाकार होती है। हमारे सात चक्रों में से पांचवे चक्र को "विशुद्धि चक्र" (कंठ का भाग) कहते हैं। इसी चक्र के बाईं ओर "बहन और भाई के पवित्र रिश्ते का तत्व है"।

यह तत्व भगवान श्री कृष्ण और उनकी बहन विष्णुमाया के पवित्र संबंधों का भी प्रतीक है। श्री माताजी के अनुसार,

भारत में भाई-बहन संबंध अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं सहजयोगियों में भी ऐसा ही होना चाहिए। हमारे यहाँ रक्षाबंधन तथा भाई दूज होता है जिसमें हम भाई को राखी बाँधते हैं। यह राखी विष्णुमाया की शक्ति है जो भाई की रक्षा करती है। समआयु, एक सी सूझ-बूझ, सुरक्षा, प्रेम और पवित्रता के कारण भाई बहन के संबन्ध अत्यन्त महत्वपूर्ण है। इस संबंध को विष्णुमाया चलती है। (प. पू. श्रीमाताजी, 19-9-92,) राखी का मतलब है रक्षा करने वाली पवित्र शक्ति इस शक्ति का

बंधन बहुत ही जोरदार है और अत्यन्त कोमल भी क्योंकि यह बहन के प्यार की निशानी है, जिसे एक बार राखी बाँधी वहाँ फिर निर्मल रक्षा का स्थान स्थापित किया है। यह परम्परा है। अब मुनष्य की संवेदन क्षमता इतनी कम हो गई है।

राखी बाँधना एक यांत्रिक क्रिया हो गई है, जहाँ श्रद्धा की गरिमा नहीं वहाँ सारी सुंदर मानवी परम्पराएं बेजान हो जाती हैं। रक्षाबन्धन बहुत महत्वपूर्ण दिन है। उस दिन परिपूर्णता की माँग करनी चाहिए। बड़ी-बड़ी योजनाएँ बनानी चाहिए। अपना लक्ष्य हमेशा ऊँची बातों पर रखना चाहिए। जब हर व्यक्ति एक आदर्श बहन या भाई बनेगा तो "वैश्विक भाईचारे की नींव बनेगी और विश्वशांति के लिए प्रेरणादायी साबित होगी। नजदीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर- 1800 2700 800 या वेबसाइट- www.sahajayoga.org.in से प्राप्त करें।

दिल की पाइप में हवा मत भरने देना...

एक ही छत के नीचे रहते हैं, फिर भी कितने दूर हो गए हैं हम, चेहरे रोज दिखाई देते हैं, पर दिल पढ़ना भूल गए हैं हम।

घर की पानी की टंकी जब कभी पूरी खाली हो जाती है, तो पाइपों में हवा भर जाती है, पानी होते हुए भी नल तक उसकी धार नहीं आ पाती है।

फिर हम क्या करते हैं? घर के नल खोल देते हैं, अंदर फँसी हवा को निकलने देते हैं, कुछ देर आवाज होती है, कुछ झटके लगते हैं... और फिर पानी सहज बहने लगता है।

शायद हमारा दिल भी ऐसी ही एक पाइप है।

उसमें भी धीरे-धीरे अनकही बातें भरती जाती हैं, कुछ शिकायतें, कुछ दर्द, कुछ गलतफहमियाँ, कुछ अधूरे सवाल, कुछ आँसू जो आँखों तक नहीं आए, और कुछ शब्द जो होंठों तक आकर वापस लौट गए। बस यही सब दिल के अंदर की "हवा" बन जाता है। और एक दिन इंसान के पास सब कुछ होते हुए भी वह भीतर से घुटने लगता है। परिवार होता है, बच्चे होते हैं, माँ-बाप होते हैं, भाई-बहन होते हैं, दोस्त और रिश्तेदार होते हैं... फिर भी मन पूछता है— "मेरी बात सुनने वाला कौन है?" रिश्तों की भीड़ होना और किसी का अपना होना,

दोनों अलग बातें हैं। अपना वह नहीं जो केवल तस्वीर में आपके साथ खड़ा हो, अपना वह है जिसके सामने आप बिना डर के कह सकें "आज मन ठीक नहीं है..." थोड़ी देर मेरी बात सुनोगे?" और वह बिना फैसला सुनाए, बिना मजाक बनाए, बिना आपकी कमजोरी को कल हथियार बनाए, बस चुपचाप आपकी बात सुन ले।

कभी-कभी इंसान को सलाह की जरूरत नहीं होती, समाधान की भी जरूरत नहीं होती, उसे सिर्फ एक ऐसा इंसान चाहिए जिसके सामने वह अपना दिल खोल सके। क्योंकि जब दिल का नल खुलता है, तो अंदर जमा दर्द बाहर आता है, मन हल्का होता है, गलतफहमियों की हवा निकलती है और रिश्तों में फिर से प्यार की धार बहने लगती है। इसलिए जिंदगी में कम से कम दो ऐसे अपने जरूर कमाना, जिन्हें आधी रात को भी कह सको

"मुझे तुमसे कुछ कहना है..." और उतना ही जरूरी है कि तुम भी किसी के लिए वह इंसान बनो।

कोई तुम्हारे पास आए तो मोबाइल एक तरफ रख देना, उसकी आँखों में देखना, उसकी पूरी बात सुनना... हो सकता है वह बातें नहीं, अपने मन का बोझ उतार रहा हो। बड़े मकान बनाने से पहले दिलों के बीच रास्ते बनाइए,

कमरों को जोड़ने वाले दरवाजे तो बहुत हैं, अब दिलों को जोड़ने वाले दरवाजे भी खोलिए। क्योंकि कई बार एक घर में पानी की कमी नहीं होती, बस पाइप में हवा भर जाती है... और कई बार एक परिवार में प्यार की कमी नहीं होती, बस बातचीत रुक जाती है।

नल खोलोगे तो हवा निकलेगी, दिल खोलोगे तो गलतफहमियाँ निकलेंगी।

और फिर देखना। वही परिवार, वही लोग, वही घर... लेकिन रिश्तों में फिर से प्यार बहने लगेगा। दिल की बात दिल तक पहुँचने दीजिए, अपने लोगों को बोलने दीजिए... और कभी-कभी सिर्फ सुन लीजिए। क्योंकि इस दुनिया में बोलने वाले बहुत मिल जाते हैं, लेकिन किसी के दिल का बोझ चुपचाप सुन लेने वाले बहुत कम मिलते हैं। "जिंदगी में दो ऐसे इंसान जरूर रखिए, जिनसे आप दिल की बात कह सकें..." और खुद भी किसी के उन दो इंसानों में से एक बनिएं।

गोपाल गावंडे की कलम से



प्राथमिक स्कूल के पास खुला कुआं, बच्चों की सुरक्षा पर बड़ा सवाल!

पुनीत सेन

खंडवा जिले की ग्राम पंचायत सुकवी के अंतर्गत आने वाले ग्राम सुकवा से बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी एक गंभीर तस्वीर सामने आई है। यहां प्राथमिक शाला के पास ही कुआं मौजूद है, जिससे स्कूल आने-जाने वाले छोटे बच्चों के साथ कभी भी हादसा होने की आशंका बनी हुई है। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि ग्राम सुकवा की प्राथमिक शाला के पास ही यह कुआं मौजूद है। स्कूल में पढ़ने वाले छोटे-छोटे बच्चे रोजाना इसी रास्ते से गुजरते हैं। ऐसे में कुएं के आसपास पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने पर बच्चों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि छोटे बच्चे खेलते हुए या स्कूल से आते-जाते समय यदि कुएं के करीब पहुंच



जाएं तो किसी अनहोनी से इनकार नहीं किया जा सकता। अब सवाल यह है कि क्या किसी हादसे का इंतजार किया जा रहा है? जिम्मेदार पंचायत प्रशासन द्वारा स्कूल के पास स्थित इस कुएं की सुरक्षा के लिए तत्काल जाली, मुंडेर या अन्य आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था क्यों नहीं

की जा रही?— स्कूल के पास मौजूद यह कुआं कब सुरक्षित होगा और बच्चों की सुरक्षा के लिए पंचायत प्रशासन कब ठोस कदम उठाएगा, यह देखने वाली बात होगी। ग्रामीणों ने जिम्मेदार अधिकारियों से तत्काल निरीक्षण कर कुएं को सुरक्षित कराने की मांग की है।

विकास पाठ्यक्रम का शुभारंभ

M.P. Jan Abhiyan Parishad - CMCLDP Session 2026-27 Shubharambh
30 अगस्त 2026 • राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह शासकीय महाविद्यालय मेहंदवानी, डिंडोरी



नशा मुक्ति शपथ ग्रहण

पुस्तक वितरण कार्यक्रम

एक पेड़ माँ के नाम

Shaskiya Mahavidyalaya Mehdwani, Dindori | M.P. Jan Abhiyan Parishad | Dr. C. L. Basal - Senior Mentor

राजगीत टाइम्स

शिवम् प्रजापति

विकासखंड मेहंदवानी के राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह शासकीय महाविद्यालय में जन अभियान परिषद विकासखंड मेहंदवानी के तत्वाधान में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

जिसमें नवांकुर संस्था के अध्यक्ष समस्त मेंटर्स स्टूडेंट उपस्थित हुए कक्षा का शुभारंभ पर बीएसडब्ल्यू एमएस डब्ल्यू कक्षा के छात्रों को मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के कार्य योजना संचालित पाठ्यक्रम के बारे में वरिष्ठ मैटर डॉक्टर सी एल बसलजी ने विस्तार

पूर्वक जानकारी दिये एवं कोर्स के बारे में सभी मेंटर श्री नितीश भारद्वाज, दीपेंद्र साहू जी एवं निर्मल मरकाम जीके द्वारा स्टूडेंट को अपनी लगन के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित किया एवं नवांकुर अध्यक्ष श्री पवन साहू एवं कृष्णा साहू के द्वारा भी छात्रों को सविस्तर कोर्स के बारे में एवं प्रस्फूटन समितियों के बारे में जानकारी दिया गया एवं छात्र-छात्राओं को पुस्तक वितरण किया गया तदुपरांत नशा मुक्ति के बारे में संगोष्ठी करते हुए नशा मुक्ति परिवार समाज गांव एवं विकासखंड को नशा से मुक्त रखने हेतु संकल्प दिलाया गया इसके बाद समस्त स्टाफ के द्वारा एक पेड़ माँ के नाम के अंतर्गत पौधारोपण किया गया।

नेपाल त्रासदी में दिवंगतों को सद्भावना मंच ने दी श्रद्धांजलि



पुनीत सेन

खंडवा। नेपाल में आई भीषण बाढ़ की त्रासदी में दिवंगत लोगों को सद्भावना मंच द्वारा श्रद्धासुमन अर्पित कर गहरा दुख व्यक्त किया गया। मंच ने इस दुखद घटना में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी सहानुभूति प्रकट की। सद्भावना मंच के सदस्य कमल नागपाल के अनुसार, मंच के संस्थापक प्रमोद जैन ने कहा कि नेपाल में आई बाढ़ से बड़ी संख्या में जनहानि होने तथा कई लोगों के लापता होने का समाचार बेहद दुखद और हृदयविदारक है। उन्होंने कहा कि सद्भावना मंच इस त्रासदी पर गहरा शोक व्यक्त करता है और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करता है। संस्थापक प्रमोद

जैन ने कहा कि प्राकृतिक आपदाएं पूरे मानव समाज के लिए पीड़ादायक होती हैं। ऐसे समय में पीड़ितों के साथ खड़ा होना और उनके प्रति संवेदना व्यक्त करना ही मानवीयता है।

उन्होंने ओंकारेश्वर में विगत माह डूबने से हुई जनहानि पर भी दुख व्यक्त करते हुए दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस शोक संवेदना कार्यक्रम में सद्भावना मंच के संस्थापक प्रमोद जैन, कैलाश शर्मा, सुरेंद्र गीते, योगेश गुजराती, एन के देवे, सुनील सोमानी, राधेश्याम शाक्य, के.बी. मंसारे, कमल नागपाल, गणेश भावसार, अनीता धोत्रे, निमिषा धोत्रे आदि ने सभी मृतकों की आत्मा की शांति तथा उनके परिवारों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

सोशल मीडिया टिप्पणी के विरोध में सर्व समाज का आक्रोश, हजारों लोग पहुंचे करैरा थाना

आजाद लोधी के विरुद्ध NSA सहित अन्य धाराओं में कार्रवाई की मांग, थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

हेमंत भार्गव

करैरा। सोशल मीडिया पर सर्व समाज की महिलाओं के प्रति कथित रूप से अमर्यादित एवं आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने के मामले ने करैरा क्षेत्र में तूल पकड़ लिया है। आरोपी आजाद लोधी निवासी बैसोराकलां के विरुद्ध कार्रवाई की मांग को लेकर सोमवार को सर्व समाज के हजारों लोग करैरा थाने पहुंचे और प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन, कलेक्टर शिवपुरी एवं पुलिस अधीक्षक शिवपुरी के नाम अनुविभागीय अधिकारी राजस्व करैरा के माध्यम से कार्रवाई की मांग की गई। सर्व समाज की ओर से प्रस्तुत ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि आजाद लोधी द्वारा मोबाइल के माध्यम से सर्व समाज की महिलाओं के संबंध में अश्लील, अशिष्ट एवं आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।



ज्ञापन में कहा गया कि इस मामले को लेकर करैरा, पिछोर सहित अन्य थानों में एफआईआर दर्ज होने की बात सामने आई है, लेकिन ज्ञापनकर्ताओं के अनुसार आरोपी के विरुद्ध अपेक्षित कार्रवाई एवं गिरफ्तारी नहीं होने से समाज में आक्रोश बढ़ रहा है। सर्व समाज ने पुलिस प्रशासन से मामले में शीघ्र एवं कठोर कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि आरोपी की पत्नी द्वारा सोशल मीडिया पर वीडियो बनाकर कथित रूप से भ्रामक एवं भड़काऊ संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं। ज्ञापनकर्ताओं ने आशंका जताई कि ऐसे संदेशों से सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो सकता है।

NSA सहित कठोर कार्रवाई की मांग- सर्व समाज ने प्रशासन से मांग की कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी आजाद लोधी के विरुद्ध राष्ट्रीय

सुरक्षा कानून (NSA) सहित कानून के तहत लागू अन्य कठोर धाराओं में कार्रवाई की जाए। साथ ही सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक एवं भड़काऊ सामग्री के संबंध में भी निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन सौंपने पहुंचे लोगों ने प्रशासन से कहा कि मामले में कानून के अनुसार निष्पक्ष कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में अमन-चैन एवं सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। इस दौरान बड़ी संख्या में सर्व समाज के लोग करैरा थाने पहुंचे, जिससे पुलिस एवं प्रशासन को भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए अतिरिक्त व्यवस्था करनी पड़ी। प्रदर्शनकारियों ने मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए अपना ज्ञापन सौंपा। अब निगाहें पुलिस एवं प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं।

लंबित वारंटों की तामीली के लिए पुलिस का विशेष अभियान, 118 वारंट तामील



साहिल खान

शहडोल। जिले में लंबित स्थाई एवं गिरफ्तारी वारंटों की तामीली को लेकर पुलिस द्वारा चलाए गए विशेष अभियान में पुलिस टीमों को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक शहडोल के निर्देशन में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में वारंटियों की धरपकड़ के लिए कॉम्बिंग गश्त एवं लगातार दबिश की कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान पुलिस ने 118 लंबित वारंटों की तामीली कर वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 30 अगस्त 2026 तक जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में लंबित वारंटों की समीक्षा कर वारंटियों की तलाश की गई। इसके लिए अलग-अलग पुलिस टीमों को सक्रिय कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई। अभियान के दौरान जिले में लंबित 1306 स्थाई वारंटों में से 41 स्थाई वारंट तथा 507 गिरफ्तारी वारंटों में से

77 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए। इस तरह कुल 118 वारंटों की तामीली की गई। थाना स्तर पर की गई कार्रवाई में कोतवाली पुलिस ने 23 वारंट तामील किए, जिसमें 3 स्थाई और 20 गिरफ्तारी वारंट शामिल हैं। बुढ़ार पुलिस ने 21 वारंटों में 14 स्थाई एवं 7 गिरफ्तारी वारंट तामील किए। सोहागपुर में 7, सीधी में 10, देवल्लों में 6 तथा ब्योहारी में 7 वारंट तामील किए गए। अमलाई पुलिस ने 8 स्थाई वारंटों की तामीली की।

इसी तरह जयसिंहनगर पुलिस ने 7, सिंहपुर ने 6, गोहपारू ने 7, धनपुरी ने 3, जैतपुर ने 3, पपौंध ने 5 तथा खैरहा पुलिस ने 2 गिरफ्तारी वारंटों की तामीली की। महिला थाना पुलिस द्वारा भी 3 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए। पुलिस का कहना है कि लंबित वारंटों की तामीली के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा तथा फरार वारंटियों की तलाश कर उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

धनपुरी में सदा-ए-मदीना कमेटी ने मनाया जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी



नातिया कार्यक्रम में बच्चों ने पेश की नात, मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

साहिल खान

धनपुरी। जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के मौके पर शुक्रवार शाम रजा मोहल्ला नंबर-4 में सदा-ए-मदीना कमेटी की ओर से नातिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम हाजी मोहम्मद मुस्ताक साहब के मकान के सामने रखा गया था। इसमें मोहल्ले सहित आसपास के बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में बच्चों और बच्चियों ने नातिया कलाम पेश किए। इसके साथ ही किरअत, सवाल-जवाब और तकरीर का भी आयोजन हुआ। बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए शानदार प्रस्तुतियां दीं, जिसे मौजूद लोगों ने खूब

सराहा और बच्चों का हौसला बढ़ाया। मेधावी बच्चों का किया सम्मान- कार्यक्रम के दौरान सदा-ए-मदीना कमेटी की ओर से पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। कक्षा 10वीं और 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार और उपहार देकर सम्मानित किया गया। कमेटी के सदस्यों ने कहा कि बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हर साल इस तरह का सम्मान किया जाता है। कार्यक्रम के अंत में कमेटी के सदर मोहम्मद मकसूद खान अशरफ़ी, सरपरस्त बाबा खानसामा (हाजी इश्तियाक खान सा. मुन्ना बिरयानी), हाजी खुशीद सिद्दीकी, असलम मामा, अशफ़ाक सिद्दीकी सहित कमेटी के सभी सदस्यों ने कार्यक्रम में पहुंचे लोगों का आभार जताया। इस दौरान क्षेत्र में अमन-चैन और खुशहाली के लिए दुआ भी की गई।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अछरौनी आयुष्मान आरोग्य मंदिर एवं चमरौआ विद्युत उपकेंद्र का किया लोकार्पण

अतुल जैन

खनियांथाना-पिछोर विधानसभा क्षेत्र के विकास को नई गति देते हुए स्थानीय सांसद एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने खनियांथाना तहसील के ग्राम अछरौनी में निर्मित आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा चमरौआ 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण किया। अछरौनी में लगभग 3 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित आयुष्मान आरोग्य मंदिर क्षेत्र के लोगों को बेहतर एवं सुलभ प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर प्राप्त हो सकेगा। इसके साथ ही लगभग 2 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किए गए चमरौआ 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र के लोकार्पण से क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इससे आसपास की लगभग 20 से 25 हजार आबादी को प्रत्यक्ष लाभ मिलने की उम्मीद है। विद्युत आपूर्ति के अधिक सुचारु, सुदृढ़ एवं विश्वसनीय होने से आम नागरिकों के साथ-साथ किसानों, व्यापारियों और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास



को भी गति मिलेगी। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार का मूल उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की सुविधाएं पहुंचाना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में देशभर में स्वास्थ्य, बिजली, सड़क, शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए जा

रहे हैं। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना के साथ सरकार गांव, गरीब, किसान और आम नागरिक के जीवन को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

आने वाले समय में भी पिछोर में 100 बिस्तर का निर्माणाधीन- अस्पताल का जिक्र किया।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत एसपी शर्मा की मौजूदगी में सुनीं आमजन की समस्याएं, लंबित शिकायतों का कराया समाधान

बदनावर। मनोहर पाटीदार। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शनिवार को बदनावर में पुलिस विभाग द्वारा जनसुनवाई एवं शिविर का आयोजन किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक सचिन कुमार शर्मा की उपस्थिति में आयोजित इस शिविर में आमजन की विभिन्न समस्याओं और शिकायतों को सुना गया तथा उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान 30 से अधिक आवेदकों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें अधिकारियों के समक्ष रखीं। पुलिस अधिकारियों ने प्रत्येक आवेदक की बात गंभीरता से सुनी और समस्याओं के समाधान के लिए



आवश्यक कार्रवाई की। इस दौरान 15 शिकायतों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि शेष मामलों के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों

को आवश्यक निर्देश दिए गए। शिविर के दौरान सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर लंबित शिकायतों का शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि के बाद समाधान कराया गया। इसके अलावा जनसुनवाई एवं थाना स्तर पर प्राप्त आवेदनों और शिकायतों का भी निराकरण किया गया। अधिकारियों ने शिकायतकर्ताओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को समझा और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की।

जिला पुलिस अधीक्षक सचिन कुमार शर्मा ने शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत आयोजित इस पहल का मुख्य उद्देश्य पुलिस और आमजन के बीच विश्वास को मजबूत करना है। साथ ही नागरिकों को पारदर्शी,

संवेदनशील एवं समयबद्ध पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराना अभियान की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पुलिस आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए गए कि नागरिकों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए उनका संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों का पुलिस व्यवस्था के प्रति विश्वास और मजबूत हो सके। इस अवसर पर एसडीओपी अरविंदसिंह तोमर, टीआई अमितसिंह कुशवाहा, भेंसोला चौकी प्रभारी हिना जोशी, सब इंस्पेक्टर श्वेता प्रजापत सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

दिग्गज और युवा खिलाड़ियों के सम्मान में आयोजित हुआ गरिमामयी समारोह

गीता रामेश्वरम ट्रस्ट ने 18 खेल हस्तियों को किया सम्मानित

सत्यनारायण पटेल ने किया ऐलान: हॉकी के वंचित परिवारों और खिलाड़ियों के लिए जल्द खुलेगी ट्रस्ट के नेतृत्व में नई अकादमी

इंदौर। गीता रामेश्वरम ट्रस्ट द्वारा शहर में एक भव्य और गरिमामयी समारोह का आयोजन किया, जिसमें खेल जगत के 18 वरिष्ठ एवं युवा खिलाड़ियों को उनकी उत्कृष्ट खेल सेवाओं के लिए सम्मानित कर कृतज्ञता ज्ञापित की गई। इस विशेष अवसर पर खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए कई अहम घोषणाएं भी की गईं।

वंचित खिलाड़ियों के लिए खुलेगी नई अकादमी... समारोह को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सत्यनारायण पटेल ने घोषणा की कि जल्द ही सभी के सहयोग से एक ऐसी अकादमी का संचालन किया जाएगा, जिसका नेतृत्व गीता रामेश्वरम ट्रस्ट करेगा। उन्होंने कहा कि इस अकादमी के माध्यम से हॉकी के उन वंचित परिवारों और खिलाड़ियों की विशेष व्यवस्था की जाएगी, जिन्हें अमूमन उचित अवसर या स्थान नहीं मिल पाता है। इस मौके पर खजराना गणपति मंदिर के पुजारी अशोक भट्ट की अध्यक्षता में संपन्न हुए इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप



में सहकारिता नेता एवं वरिष्ठ राधेश्याम पटेल उपस्थित रहे। इसके अलावा कार्यक्रम में विजय राठौर बंटी, अशोक यादव (एनआईएस कोच), और देवकी नंदन सिलावट भी विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल और प्रवक्ता एवं समाजसेवी मदन परमालिया ने साझा की। उन्होंने बताया कि समारोह में पधारे सभी अतिथियों का स्वागत संतोष यादव द्वारा किया गया, जबकि आभार प्रदर्शन नरेंद्र सूर्यवंशी ने किया। इस गरिमामयी आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों से आए तमाम खिलाड़ी और उनके परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

ये थे सम्मानित होने वाले प्रमुख खिलाड़ी एवं खेल हस्तियां... इस विशेष समारोह में खेल के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 18 दिग्गजों और उभरते खिलाड़ियों को सम्मानित किया

गया, जिनमें आनंद यादव (हॉकी), नरेंद्र विल्सन (फुटबॉल), डॉ. रफीक खान (हॉकी), सरदार दर्शन सिंह (हॉकी), बद्री चौहान (फुटबॉल), कैलाश कौशल (एथलेटिक्स एवं फुटबॉल), के. सी. कपासिया (शूटिंग), मनोहर लक्ष्मण - पिता पद्मश्री शंकर लक्ष्मण (आर्म्स रेसलिंग), ओ. पी. संकत (हॉकी), अक्षत यादव (एनआईएस कोच), विवेक वर्मा (एनआईएस कोच), हर्षदीप कपूर (जूनियर इंडिया खिलाड़ी - हॉकी), शैलेंद्र वर्मा (एनआईएस कोच), प्रियंका यादव (भारतीय महिला हॉकी वर्ल्ड कप), महिमा सिसोदिया (राइफल शूटिंग - गोल्ड मेडल), राकेश जोशी (स्विंग कोच), राजेश मकवाने और डॉ. एस. पी. शर्मा (फुटबॉल) शामिल थे।

समारोह के दौरान ताहिर हॉकी क्लब के सचिव किशोर शुक्ला को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर सांदीपनि विद्यालय बदनावर में पतिभा सम्मान

विद्यालय बदनावर में पतिभा सम्मान



बदनावर /से मनोहर पाटीदार राष्ट्रीय खेल दिवस पर बदनावर में मेजर ध्यानचंद जी के चित्र पर संस्था प्राचार्य रियाजुद्दीन शेख ने माल्यार्पण कर उनके योगदान से विद्यार्थियों को अवगत कराया। इस अवसर पर खेल शिक्षक नरेंद्र चौहान द्वारा खेल गतिविधियां कराईं। अंतर्राष्ट्रीय कुश्ती महासंघ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय ग्रेबलिंग प्रतियोगिता हरिद्वार में राष्ट्रीय स्तर पर (जीआई में) ऋषिका डांबी स्वर्ण पदक एवं (नोगी में) रजत पदक, जिया शर्मा ने (जी आई में) रजत पदक (नोगी में) कांस्य पदक और रिया शर्मा ने जी (आई में) कांस्य पदक विजेता, (नोगी में) रजत पदक विजेता सांदीपनि

विद्यालय की छात्राओं का सम्मान भी किया गया। खेल गतिविधियां, शपथ और प्रेरक उद्बोधन का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों व एनसीसी कैडेट ने स्वास्थ्य जागरूकता रैली निकाली इस अवसर पर मेजर ध्यानचंद जी हॉकी के जादूगर के जीवन वृत्त पर वैभव चौरडिया, अंकित जैन, प्रदीप पांडेय ने विद्यार्थियों को अवगत करवाया। शिक्षक जितेंद्र रावल, शुभम उपाध्याय, महेश चौहान, जीवन जाट ने राष्ट्रीय खेल दिवस पर संबंधित पोस्टर निर्माण, पेंटिंग प्रतियोगिता भी संपन्न करवाई। कार्यक्रम का संचालन कशिश प्रजापत छात्रा ने किया। आभार राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी मधु सिर्वी ने माना।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया शिवपुरी जिले के तीन दिवसीय भ्रमण के दौरान विभिन्न लोकार्पण, भूमि पूजन एवं अन्य कार्यक्रमों में होंगे शामिल

खनियांधाना। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया 31 अगस्त से 2 सितंबर 2026 तक शिवपुरी जिले के तीन दिवसीय प्रवास पर रहेंगे। इस दौरे खनियांधाना एवं पिछोर में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण, भूमि पूजन, निरीक्षण तथा स्थानीय कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे। निर्धारित भ्रमण कार्यक्रम के अनुसार केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया 31 अगस्त को दोपहर में ग्राम अछरौनी पहुंचेंगे, जहां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अछरौनी का लोकार्पण करेंगे। इसके पश्चात वे ग्राम चमरौआ सब-स्टेशन का लोकार्पण करेंगे। उप तहसील बामौरकला का लोकार्पण एवं ग्राम पिपरा सब-स्टेशन का लोकार्पण करेंगे। खनियांधाना में स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे।



कुंभ मेला या कमीशन मेला? आस्था के नाम पर विकास या जनता के पैसों की लूट?

नासिक, महाराष्ट्र। वर्ष 2027 में नासिक में आयोजित होने वाला कुंभ मेला महाराष्ट्र के लिए गौरव और पूरे देश के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन है। कुंभ की तैयारियों के बीच विकास कार्यों, टेंडर प्रक्रिया, स्वास्थ्य सुविधाओं और पर्यावरण संरक्षण को लेकर कई गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। पूर्व पंचायत समिति उपसभापति महेश खारोडे ने सवाल उठाते हुए कहा है— “कुंभ मेला आस्था का महापर्व बने, कमीशन का मेला नहीं।” उनका कहना है कि कुंभ मेले के नाम पर खर्च होने वाले सार्वजनिक धन के प्रत्येक रुपये का हिसाब जनता के सामने होना चाहिए। विकास कार्यों और टेंडरों में पूरी पारदर्शिता तथा

गुणवत्ता सुनिश्चित होनी चाहिए। साथ ही धार्मिक आयोजन की व्यवस्थाओं के कारण स्थानीय नागरिकों की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित नहीं होनी चाहिए और विकास के नाम पर पर्यावरण को अनावश्यक नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए। खारोडे ने सरकार और प्रशासन से मांग की है कि कुंभ से जुड़े बड़े खर्च, टेंडर, वृक्ष कटाई और स्वास्थ्य सुविधाओं से संबंधित फैसलों की पूरी जानकारी सार्वजनिक की जाए।

सवाल सीधा है—“विकास जरूर हो, लेकिन जनता के पैसों की जवाबदेही के साथ; कुंभ भव्य हो, लेकिन श्रद्धा के नाम पर कमीशन का खेल नहीं।”

महेश खारोडे- सातेगांव

मेरे मरने के बाद की दुनिया

बच्चे बड़े हो गए, अपनी-अपनी दुनिया में खो गए, जिनकी छोटी-सी उँगली पकड़कर मैंने चलना सिखाया था, आज उन्हीं के घर की एक दीवार पर मेरी तस्वीर धूल खाती रह गई।

फिर किसी ने एक दिन कह दिया “गुजर चुके लोगों की तस्वीर घर में नहीं लगानी चाहिए, अशुभ होता है...” और मेरी तस्वीर उतार दी गई। उस दिन शायद मेरी तस्वीर दीवार से नहीं उतरी थी, मैं उस घर से दूसरी बार निकाला गया था।

जिस घर की एक-एक ईंट के लिए मैंने अपना पसीना बहाया, जिस परिवार की खुशियों के लिए अपनी कितनी इच्छाएँ दबाई, जिसके बच्चों की फीस भरने के लिए मैंने अपने शौक छोड़ दिए, जिसकी छत बचाने के लिए मैं खुद धूप में जलता रहा

आज उसी घर के लिए मैं अशुभ हो गया था। जीते-जी मैं सोचता था “मेरे बिना इनका क्या होगा?”

रात को नींद नहीं आती थी, बच्चों का भविष्य सोचता था, परिवार की चिंता करता था, कल पैसा कहाँ से आएगा, बच्चे कैसे आगे बढ़ेंगे, घर कैसे चलेगा... मैं हर किसी के कल के लिए जीता रहा, बस अपना आज जीना भूल गया। और आज... मेरे बिना भी सुबह होती है, चाय बनती है, दरवाजे खुलते हैं, त्योहार आते हैं, हँसी गूँजती है, शादियाँ होती हैं, बच्चे घूमने जाते हैं, तस्वीरें खिंचती हैं... दुनिया बिल्कुल वैसी ही चल रही है।

मैं ही बेवजह डरता रहा “मेरे बाद क्या होगा?” कुछ नहीं हुआ। बस एक आदमी कम हो गया, और कुछ दिनों बाद उसकी कमी की आदत भी पड़ गई। अब साल में शायद मेरी पुण्यतिथि पर मोबाइल की गैलरी से मेरी कोई पुरानी तस्वीर निकलेगी। फेसबुक पर लिखा जाएगा “भावपूर्ण श्रद्धांजलि... आप हमेशा हमारी यादों में रहेंगे।” कुछ लोग हाथ जोड़ने वाला निशान भेजेंगे, कुछ लिखेंगे “शत्-शत् नमन।”

और अगले दिन नई पोस्ट के नीचे मेरी तस्वीर कहीं पीछे छूट जाएगी। तब मुझे समझ आया जिस परिवार के लिए मैंने पूरी जिंदगी खर्च कर दी, वह परिवार मेरे बिना भी जीना सीख गया।

गलती उनकी नहीं थी, यही शायद दुनिया का नियम है। लोग चले जाते हैं, पीछे रहने वाले जीना सीख जाते हैं। लेकिन एक सवाल मेरी आत्मा से बार-बार पूछता है जब सबको मेरे बिना जीना ही था, तो मैंने अपने साथ जीना क्यों नहीं सीखा? क्यों हर इच्छा को यह कहकर टाल दिया “अभी बच्चे छोटे हैं...” क्यों हर सपना यह कहकर छोड़ दिया “पहले परिवार संभल जाए...” क्यों हर यात्रा टाल दी, हर खुशी बचाकर रखी,

हर शौक मार दिया और हर बार जिंदगी से कहा “अभी नहीं... बाद में।” आज समझ आया... वह “बाद में” कभी आया ही नहीं। जिंदगी जिम्मेदारियाँ पूरी करते-करते चुपचाप पूरी हो गई। अब भगवान के सामने खड़ा हूँ तो धन नहीं माँगता, बड़ा घर नहीं माँगता, नाम नहीं माँगता, लंबी उम्र भी नहीं माँगता।

बस एक छोटी-सी विनती है हे भगवान, अगर दूसरा जन्म देना, तो मुझे फिर वही अपने देना, वही बच्चे देना, वही परिवार देना...

लेकिन इस बार मुझे थोड़ा-सा “मैं” भी देना। इस बार मैं उनके लिए भी जिऊँगा, मगर अपने लिए भी जिऊँगा। बच्चों का भविष्य बनाऊँगा, मगर अपना वर्तमान नहीं मिटाऊँगा।

जिम्मेदारियाँ निभाऊँगा, मगर जिंदगी को जिम्मेदारियों की सजा नहीं बनने दूँगा। क्योंकि अब समझ आया है मेरे मरने से दुनिया नहीं रुकेगी, लेकिन मेरे जीते-जी अगर मैं खुद के लिए नहीं जिया, तो मेरी अपनी दुनिया एक दिन जरूर अधूरी रह जाएगी। और शायद इंसान की सबसे बड़ी भूल यही है वह सारी उम्र यह सोचता रहता है कि “मेरे बिना अपनों का क्या होगा?” मगर कभी यह नहीं सोचता “अपनों के लिए जीते-जीते मेरे अंदर जो ‘मैं’ मर रहा है, उसका क्या होगा?”

गोपाल गावंडे की कलम से



इंदौर शहर में 21 लाख वृक्षारोपण अभियान, सुपर कॉरिडोर पर बनेगा इंदौर का “नगर वन”

सह संपादक अनिल चौधरी

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने संत महंतों की उपस्थिति में उनके साथ किया 21000 पौधा रोपण का शुभारंभ

साधु-संतों के सानिध्य में वटुकों के शास्त्रोक्त मंत्रोच्चार के बीच बोहरा कॉलोनी में हुआ 21 हजार पौधों का रोपण

इंदौर के सुपर कॉरिडोर पर विकसित होगा विशाल नगर वन, तालाब में तैरती बोटिंग के साथ शहरवासियों को मिलेगी प्राकृतिक सुविधाओं की सौगात

इंदौर में नगर वन के विकास के लिए मंत्री विजयवर्गीय ने केन्द्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से करी बात, इसके विकास में पैसों की नहीं आने देंगे कमी

100 एकड़ जमीन पर लगेंगे लाखों पौधे, भविष्य में शहर के लिए यह “नगर वन” ऑक्सीजन झोन का करेगा काम - कैलाश विजयवर्गीय

इंदौर - बुधवार को नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय की उपस्थिति में सुपर कॉरिडोर पर गांधी नगर मेट्रो स्टेशन के पास स्थित बोहरा कॉलोनी में संत महंतों की विशेष उपस्थिति में 21 हजार पौधे रोपकर पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि जिस तरह रक्षाबंधन बहनों की रक्षा का पर्व है उसी तरह वृक्षारोपण धरती माँ की रक्षा का महोत्सव है।



साधु-संतों की उपस्थिति में यह धरती तीर्थ समान हो गई है मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि विश्व का बड़ा हिस्सा इस समय प्रदूषण की चपेट में है

ऐसे समय हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने एक पेड़ माँ के नाम से वृक्षारोपण का उद्घोष कर धरती को हरा-भरा करने का संदेश दिया। उन्होंने दुनिया भर के लोगों को संदेश दिया और कहा हम वृक्ष लगा रहे हैं, सौर ऊर्जा से बिजली बना रहे हैं। इस तरह हम धरती को बेहतर पर्यावरण प्रदान कर रहे हैं। यहां पर आज इतने संतों के आगमन से यह धरती पवित्र हो गई। संतों के वृक्षारोपण करने से यह क्षेत्र तीर्थ बन जाएगा। एक पेड़ लगाना शिव मंदिर के समान है क्योंकि वृक्ष जहरीली गैस रुपी जहर को सोखकर हमें प्राणवायु ऑक्सीजन का अमृत प्रदान करते हैं। पेड़ हमें जीवन देते हैं इसलिए हमारा कर्तव्य है कि जो हमें जीवन दे रहा है उसकी संख्या को बढ़ाएं। 2024 में हमने 51 लाख वृक्ष लगाए थे और साथ ही 12 लाख 40 हजार पौधारोपण का विश्व रिकॉर्ड भी बनाया था। मुझे यह कहते हुए गर्व है कि वो सभी पौधे अभी जीवित हैं और वृक्ष बनने की ओर अग्रसर हैं। ऐसा लगता है कि वो वृक्ष मुस्कुरा रहे हैं। इसी तरह का सघन वन यहां भी आकार लेगा। प्रकृति के अदभुत नजारे यहां भी



दिखाई देंगे। इस जमीन को नगर निगम ने वन विभाग से लिया है और यहां पर फव्वारे, तालाब और दूसरी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। इस जमीन पर ऐसे फलदार वृक्ष लगाए जाएंगे, जो प्रवासी पक्षियों को आकर्षित करेंगे। प्रवासी पक्षी शीतकाल में हजारों किलोमीटर की सफर तय कर यूरोप से हमारे यहां पर आते हैं। हमारी कोशिश है कि वे पक्षी इस स्थान पर अपना बसेरा बनाएं। इसके बाद 5 सितंबर के दतूनी पहाड़ी पर महा वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया जाएगा। वहां पर भी हजारों पेड़ लगाकर वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया जाएगा और भविष्य में दतूनी पहाड़ी पर भी लाखों पेड़ आपको लहलहाते दिखाई देंगे। इस तरह भविष्य का स्वच्छ इंदौर हरा-भरा हरित इंदौर भी होगा। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक पल है। जिस संकल्प के साथ साधु-संत जुड़ जाते हैं वह संकल्प सिद्ध हो जाता है। कैलाशजी केवल पौधा लगाते नहीं हैं, बल्कि उसकी पूरी जिम्मेदारी लेकर उसको विशाल वृक्ष भी बनाते हैं।

100 एकड़ जमीन पर सघन वन लेगा आकार

सुपर कॉरिडोर के बोहरा कॉलोनी स्थित वन विभाग की इस 100 एकड़ भूमि को “नगर वन” के रूप में विकसित किया जाएगा। इस क्षेत्र को

विकसित करने के लिए बड़े बजट की जरूरत होगी, इसके लिए मंत्री विजयवर्गीय ने केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से बात की है। इसके तहत इस रिक्त भूमि पर आने वाले समय में लाखों वृक्षों का रोपण कर घना वन विकसित किया जाएगा। यहां पर वर्षा जल को संग्रहित करने के लिए वर्तमान में मौजूद तालाब का विस्तार किया जाएगा, जिसमें बोटिंग की सुविधा भी शहरवासियों के लिए होगी, साथ ही दूसरी सुविधाएं भी यहां पर उपलब्ध करवाई जाएगी, जिससे यह आने वाले समय में शहर के लिए ऑक्सीजन जोन का कार्य करें और पक्षियों के कलरव के साथ यहां पर शहरवासी भी प्रकृति का आनंद लेने के लिए आएंगे। इस कार्य को सुनियोजित नीति बनाकर किया जा रहा है। नगर निगम के वास्तुकारों का सहयोग लिया जा रहा है। तालाब से लेकर बाकी सुविधाएं कहां पर आकार लेगी यह विशेषज्ञों की सलाह पर किया जाएगा। तालाब में नौकायान की सुविधा भी रहेगी। बुधवार को रोपे गए 21 हजार पौधों में बड़ी संख्या में फलदार वृक्षों का भी रोपण किया गया।

साधु- संतों के साथ लोगों ने किया वृक्षारोपण

मंत्री तुलसी सिलावट, विधायक मधु वर्मा, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, ग्रामीण अध्यक्ष श्रवण चावड़ा, राजेंद्र राठौर, वीरेंद्र व्यास, रामगोपाल दास महाराज, पवन दास जी महाराज, पवनानंदजी महाराज, चैतन्य स्वरूप जी महाराज, राधे-राधे बाबा, रामचरण जी महाराज, रामायणी महाराज, हंसदास मठ, विद्याधाम और राम मंदिर पंचकुईया के बटुक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। बटुकों के शास्त्रोक्त मंत्रोच्चार के बीच साधु-संतों और उपस्थित राजनेताओं ने वृक्षारोपण किया।